● **सुनो, समझो और बोलो :**

१०. मित्रता

(खेल के मैदान में बातचीत करते हुए बच्चे ।)

अर्नाल्ड : नमस्ते ! मेरा नाम अर्नाल्ड है । मैं छतरी तालाब के सामने रहता हूँ ।

तबस्सुम : मित्रो ! मेरा नाम तबस्सुम है । मैं पाठशाला के समीप रहती हूँ ।

क्षमा : सुनो ! मैं क्षमा हूँ । बाजार के पास रहती हूँ ।

विहंग : नमस्ते ! मैं विहंग, बस स्टैंड के पीछे रहता हूँ ।

अर्नाल्ड : मेरे घर में दादा जी, माता जी, पिता जी और छोटी बहन हैं ।

तबस्सुम : मेरे घर में माता जी, पिता जी और बुआ जी रहती हैं । बुआ जी हमें ज्ञान-विज्ञान की रोचक कहानियाँ सुनाती हैं ।

विहंग : मेरे पिता जी वकील हैं । वे न्यायालय के किस्से सुनाते हैं ।

अर्नाल्ड : मेरी माता जी सरकारी अस्पताल में नर्स हैं । तुम्हारी माता जी क्या करती हैं ?

क्षमा : मेरी माता जी सरपंच हैं । कल मेरी बहन का जन्मदिन है, तुम सब जरूर आना ।

तबस्सुम : हाँ-हाँ, जरूर । मैं तुम्हारी मदद के लिए आती हूँ ।

विहंग : आज से हम सब अच्छे मित्र हैं ।

संवाद सुनकर उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

१. छतरी तालाब के सामने रहता हूँ । - तबस्सुम	३. मेरे पिता जी वकील हैं । - क्षमा
२. रोचक कहानियाँ सुनाती हैं । - अर्नाल्ड	४. मेरी माता जी सरपंच हैं । - विहंग

❑ विद्‌यार्थियों को सही उच्चारण के साथ संवाद सुनाएँ । उनको एक-दूसरे से प्रश्न पूछने और उत्तर देने के लिए कहें । उन्हें इसी प्रकार अपने पड़ोसी का परिचय देने के लिए प्रोत्साहित करें इससे उनकी संभाषण क्षमता बढ़ेगी । अपने से बड़ों के लिए आदरसूचक शब्दों (आप, जी, हैं) का प्रयोग समझाएँ और अभ्यास करवाएँ । संभाषण और लेखन में आदरसूचक शब्दों के उचित प्रयोग पर ध्यान दें ।